सावधान !!!

क्या आप अपने गांव से पलायन कर रहे है ?

अथवा रोजी रोटी की तलाश में दूसरे शहर या राज्य में काम करने जा रहे है ?

अथवा दूसरे शहर या राज्य से कामकर वापस आने के बाद से लगातार बीमार चल रहे है ?

कहीं ऐसा तो नहीं कि आप एच० आई० वी०/एड्स जैसी जानलेवा संक्रमण की चपेट में आ गये हैं ?

उपरोक्त सवालों पर कृपया ध्यान दें !

विगत दो दशक से एक संक्रमण पूरे विश्व में बड़ी तेजी से पांव पसार रहा है। यह संक्रमण एच०आई०वी०/एड्स के नाम से जाना जाता है। भारत में भी यह संक्रमण बड़ी तेजी से फैल रहा है। इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि 1980 के दशक में एच०आई०वी०/एड्स से ग्रसीत पहला संक्रमित व्यक्ति महाराष्ट्र में पाया गया था। तब से लेकर अब तक इस ने करीब 57 लाख लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है। भारत में इस **संक्रमण** से ग्रस्त लोगों की संख्या दिन प्रतिदिन बहुत तेजी बढ़ रहा है। विश्व में इस संक्रमण से ग्रस्त देशों में भारत आज दूसरे स्थान पर आ गया है। ध्यान रहे इस संक्रमण का पूर्ण इलाज अभी तक नही निकल पाया है, सिर्फ आपकी सतर्कता ही इस संक्रमण से आपका बचाव कर सकता है। इस संक्रमण के प्रति सतर्ककता में आपकी थोड़ी सी लापरवाही के वजह से आप और आपका पूरा का पूरा परिवार तबाह व बर्बाद हो सकता है। इस संक्रमण की चपेट में आम तौर पर ऐसे लोग आते है जिनको इससे संबंधित सावधानियों के बारे में जानकारी नही होती। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र के लोग जानकारी के आभाव में इस संक्रमण के चपेट में ज्यादा आ रहे है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक भारत में एच०आई०वी०/एड्स से संकमित लोगों की कुल संख्या के अनुपात को देखें तो ग्रामीण क्षेत्रों में 60 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्रों में 40 प्रतिशत लोग इस संक्रमण से ग्रस्त पाये गये हैं। सर्वेक्षण के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों से रोजी रोटी के तलाश में दूसरे शहर व राज्यों में पलायन करने वाले लोग अनजाने में इस संक्रमण की चपेट में आ जाते हैं और अपने साथ साथ अपने पूरे परिवार को इस संक्रमण से ग्रसित कर देते है।

कहने का तात्पर्य यह कि पलायन करना या रोजगार हेतु अन्य शहर अथवा दूसरे राज्यों में प्रवास करना कोई बुरी बात नहीं है। भारत का नागरिक होने के नाते यह हमारा और आपका पूर्ण अधिकार है कि हम भारत के किसी भी शहर अथवा राज्य में रहकर अपने आर्थिक विकास हेतु नौकरी या स्वरोजगार का कार्य कर सकें। हम बात कर रहे हैं सिर्फ सतर्कता की, सुरक्षित पलायन की, अर्थात आप दूसरे शहर या राज्यों में रोजी रोजगार के लिए पलायन कर सकते हैं, परन्तु एच०आई०वी०/एड्स जैसी संक्रमण से अपनी तथा अपने परिवार की सुरक्षा के प्रति भी सजग रहें।

एच०आई०वी / एड्स क्या है ?

एच०आई०वी : एच०आई०वी एक प्रकार का विषाणु है जो हमारे शरीर में प्रवेश करने के बाद प्राकृतिक रूप से हमारे शरीर में मौजूद रोगों से लड़ने वाली प्रतिरोधक क्षमता को बहुत तेजी के साथ नष्ट कर देता है।

एड्स : एड्स एच०आई०वी० संक्रमण की वह स्थिति है जब व्यक्ति के शरीर के अन्दर मौजूद रोगों से लड़ने वाली प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाता है। यह स्थिति उस व्यक्ति को विभिन्न प्रकार के अवसरवादी संक्रमणों एवं बीमारियों के लिए कमजोर बना देती है।

HIV कैसे फैलता है	HIV कैसे नहीं फैलता है
एच० आई० वी० इन तरीकों से फैलता है।	एच० आई० वी० इन तरीको से नही फैलता है।
❖ एच० आई० वी० संकमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन सम्बंध स्थापित करने से।	❖ एच० आई० वी० संकमित व्यक्ति को छूने, गले मिलने, हाथ मिलाने या बातचीत करने से।
❖ एच० आई० वी० संकमित खून चढ़ाने से।	❖ एक साथ खाना खाने से।
❖ एच० आई० वी० संकमित सुई व सिरिंज के इस्तेमाल से।	❖ मच्छर के काटने से।
❖ एच० आई० वी० संकमित गर्भवती मां से उसके होने वाले बच्चें को।	❖ खांसी या छींकने से। ❖ एक शौचालय का इस्तेमाल करने से।

एच० आई० वी० संक्रमण से बचने के तरीके:–

- एक से ज्यादा पुरूष या स्त्री से यौन सम्बंध न रखें।
- हमेशा नई सुई एवं सिरिंज का इस्तेमाल करें।
- सिर्फ जांचा हुआ एच०आई०वी० रहित खून ही चढाए।
- यौन सम्बंध बनाते समय कंडोम का इस्तेमाल करें।
- समय समय पर एच०आई०वी० जॉच कराये।
- यौन रोगों का इलाज तुरन्त करवाये।

यौन रोगों के लक्षण:–

- बिना किसी कारण के लगातार वजन का घटते जाना।
- गुप्तांगों पर या इसके आस पास लाल चकते फोडे फुंस्सी होना।
- पूरे शरीर में लाल दाने पड़ जाना।
- गुप्तांगों के आस पास खुजली होना।
- पेशाब में जलन व दर्द होना, बदबूदार स्त्राव होना।
- लगातार बुखार, खांसी व गले में खरास का बना रहना तथा सामान्य दवाओं का प्रभाव न पड़ना।

यौन रोगों का इलाज तुरन्त कराये क्योंकि यौन रोग होने से

- एच० आई० वी० होने का खतरा 8-10 गुना बढ़ जाता है।
- याद रखें यौन रोगों का इलाज है किन्तु एच०आई०वी० / एड्स का नहीं।

ध्यान रहे एच०आई०वी० एड्स के प्रति जानकारी और सर्तकता ही बचाव है।

अधिक जानकारी हेतु हमसे संपर्क करें

पलायन सूचना केन्द्र
गुरूसण्डी, मिर्जापुर
09005916280

सहभागी शिक्षण केन्द्र मिर्जापुर
सिविल लाईन मोर्चाघर (विशाल कारपेट के पास)
फोन न०– 05442-256484